

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ -5

गूदड़ साँई

CHANGING YOUR TOMORROW



भाषा ज्ञान

1. "साँई! ओ साँई!" एक लड़के ने पुकारा।

उक्त वाक्य में तीन विराम चिह्न, (" ") उद्धरण चिह्न, (!) विस्मयादिवोधक चिह्न तथा (।) पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग किया गया है।

पाठ में से तीनों चिह्नों वाले एक-एक वाक्य लिखिए—

"क्या तुम इसलिए गूदड़ रखते हो?"

"गूदड़ साँई! तुम निरे गूदड़ नहीं, गूदड़ी के लाल हो। तुम धन्य हो।"

2. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए-

(क) रोटी -रोटियाँ.....

(ग) लड़का -लड़के.....

(ङ) चौराहा -चराहें.....

(ख) वस्तु -वस्तुएँ.....

(घ) बच्चा -बच्चे.....

(च) खिलौना -खिलौने.....

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तित कीजिए-

(क) बालिका -बालक.....

(ग) लड़की -लड़का.....

(ङ) भगवान -कमलगवती.....

(ख) पिता -मा.....

(घ) भिखारी -भिखारिन.....

(च) मित्र -मित्र.....

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

- (क) नज़र बचाना — पिताजी से नज़र बचाकर मोहन साँई को खाना देता था।
- (ख) आँखों से ओझल होना — माँ अपने बच्चे को आँखों से ओझल होने नहीं देती।
- (ग) चपत लगाना — बच्चे के गलति देख पिताजी ने उसे चपत मारा।
- (घ) रोना नहीं छूटना — साँई को चोट लगने पर भी उनका रोना नहीं छूटा था।
- (ङ) आश्चर्य से देखना — मोहन के पिताजी साँई को आश्चर्य चकित होकर देखने लगे।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

